DADHEECH INTERNATIONAL TRADE FOUNDATION

IMPRINT

DADHEECH INTERNATIONAL TRADE FOUNDATION INITIATIVE

DITF BULLETIN

वर्ष-3 | अंक-27 | मार्च-2023

EMPOWERING *ideas*

Amalgamation of Learning

MARCH EDITION

संपादक

डॉ. तरुणा दाधीच

फाउंडर प्रेसिडेंट

देवेश दाधीच

प्रकाशक

शोभा दाधीच

E-mail- dadheech@ditfindia.org

संपादक की कलम से.....

घड़ी इम्तिहान की

डॉ.तरुणा दाधीच
मुख्य संपादक

आलेख का विषय पढ़कर मन में विचार आ रहा है कि सर्वत्र इम्तिहान और परीक्षा की चर्चा और बच्चों के साथ साथ माता – पिता की परीक्षा का समय आ गया। विद्यार्थी वर्ग अपनी परीक्षाओं हेतु तैयार है।

विद्यार्थियों को समय प्रबंधन कर तनाव से दूर रहकर अध्ययन करना चाहिए। आदर्श विद्यार्थी के निम्न गुण हैं-

अनालस्यं ब्रह्मचर्यं शीलं गुरुजनादर:।
स्वावलम्ब: दृढाभ्यास: षडेते छात्र सद्गुणा:।।

अर्थात् आलस्य का अभाव, ब्रह्मचर्य,शील,गुरु जनों के प्रति आदर, स्वावलंबन और दृढ़ अभ्यास ये आदर्श विद्यार्थी के छ: सद्गुण हैं।

उत्साह और जोश से भरा यह माह बहुत अद्भुत है। पूरे सत्र का परिणाम परीक्षा - कक्ष के प्रदर्शन पर टिका है। परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थी परीक्षा का तनाव ना लें। आत्मविश्वास और दृढता ही सफलता का सूत्र है। महिला दिवस का आयोजन कर श्रेष्ठ पायदानों पर आरूढ़ महिला वर्ग को सम्मानित किया जाना नारी शक्ति में उत्साह का संचार करता है। वहीं 8 मार्च को 'विश्व महिला दिवस' मनाने जा रहे हैं। त्योहारों की श्रृंखला भी 6 मार्च से आरंभ हो रही है।

नव संवत्सर और रामनवमी पर्व चैत्री नवरात्र से प्रारंभ होंगे। एक अनुरोध आप सभी से करना चाहूँगी कि आप अपने बालकों को हिंदी कैलेंडर ,पंचाग जरूर देखना सिखाएं,हिंदी महीनों के नाम और त्योहारों के आयोजन की तिथि को भी समझाएं ताकि बच्चे इस विषय से परिचित हो सके।

"ज्ञान तभी शक्ति बनता है जब हम इसे किसी उपयोग में लाते हैं" ..... तो इसी जज़्बे को बढ़ाने के लिए प्रत्येक रविवार डीआईटीएफ कुछ सरल सामान्य ज्ञान प्रश्नोंत्तरी आयोजन करेगा । डीआईटीएफ द्वारा प्रश्नोत्तरी को विकसित करने के लिए डॉ.ज्योति दाधीच, पुणे और श्री उदित चौबे कानपुर का आभारी है।डिजाइन और लेआउट जयपुर के हमारे युवा कुलदीप जोशी की रचनात्मकता है।यदि आप DITF द्वारा आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेना या योगदान देना चाहते हैं, तो आप अपने संक्षिप्त परिचय के साथ http://wa.me/+919167767699 पर संदेश भेज सकते हैं।दाधीच समाज सेवा संघ, पुणे द्वारा डीआईटीएफ द्वारा निर्मित फिल्म 'महादानी दधीची' का प्रीमियर आयोजन किया गया। दाधीच समाज सेवा संघ, पुणे द्वारा फिल्म की निर्माता और निर्देशक शोभा जी दाधीच का सम्मान किया गया । यह हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है। इस अविस्मयणीय क्षण की झलक आप निम्न छायाचित्रों में देख सकते हैं

शुभम् भवतु।

अतिथि आलेख-

वैचारिक सामंजस्य

– यशवंत दाधीच
प्रकाशक अथर्वा मासिक ई पत्रिका
चितौड़गढ़ (राजस्थान)

पिछले अंक में भाई श्री उदित चौबे का लेख 'वैचारिक प्रदूषण' पढ़ने का अवसर मिला। बहुत अच्छा लगा ।अशुद्ध विचारों का शुद्धिकरण करने के लिऐ हमारे धर्मग्रन्थ हमें एसे कई उपाय बताते है जिनमे योग, साधना,तप,पाठ–पूजन,ईश स्मरण आदि है एवं इनके माध्यम से ही हम हमारे विचारों का शुद्धिकरण कर आत्मीय आनन्द की प्राप्ति करते है। परन्तु मैरे मन में एक विचार आया कि जिस प्रकार हम वैचारिक शुद्धिकरण की चाहना करते है, हमे वैचारिक सामंजस्य स्थापित करने के प्रयास भी करने चाहिये, क्योंकि मेरे मन में उत्पन्न होने वाला हर भाव, आवश्यक नही कि वह दूषित विचार का जनक हो। हो सकता है कदाचित सही भी हो और आवश्यक भी। तब मै यह अपेक्षा करूंगा कि मैरे विचारों से दूसरे का सहमत होना, उस परिस्थिति का शायद अभिन्न अंग होना साबित हो।वैचारिक सामंजस्य का होना व्यक्तिगत, पारिवारिक ,सामाजिक एवं यहां तक की राष्ट्रीय स्तर पर भी अपना एक स्थान रखता है। बस , इसे प्रभावित करने वाले कारक में ही थोड़ा अन्तर होता है। विचार मन मस्तिष्क में उन्पन्न होने वाली वे तरंगे है जो हमारी सोच एवं भावनाओं को प्रभावित करती है तथा किसी व्यक्ति,वस्तु या विषय के बारे में हमारा दृष्टिकोण निर्धारित करती है।इन तरंगो का उत्पन्न होना एक सतत् प्रक्रिया है, एवं यही कारण है कि हमारा दृष्टिकोण किसी के प्रति समान नही बना रहता है।यहीं से वैचारिक विषमता का जन्म होता है। परिवार में इन वैचारिक विषमताओं में परस्पर सांमजस्य स्थापित कर लेना ही पारिवारिक वैचारिक सामंजस्य के रूप में परिभाषित हो सामने आता है जो कि पारिवारिक प्रसन्नता, परिवार में व्यक्तिगत मानसिक शान्ति एवं एक आनन्दमय
वातावरण का द्योतक है।

सुक्ष्म रूप में देखा जाये तो जिन कारणों से परिवार में वैचारिक विषमताऐं पैदा होंती है , वे ही वैचारिक सामंजस्य स्थापित करने के लिऐ सहायक होती है।यदि हम हमारे धर्मग्रन्थों का अध्ययन करे तो हमें दे खने को मिलता है कि परिवार में सहनशीलता, धेर्य, परस्पर सहयोग, एक दूसरे के प्रति त्याग की भावना होना आदि आवश्यक है किन्तु जब इन प्रवृतियों मे हास होना शुरू होता है तब ही परिवार मे वैचारिक विषमताओ का उद्भव होता है जिसके परिणाम स्वरूप परिवारों का टूटना, संबधों का समाप्त हो जाना जैसे दू खद परिणाम देखने को मिलते है।

एक छोटी सी लघुकथा के माध्यम से इस वैचारिक सामंजस्य को समझा जा सकता है।बहुंत पुरानी बात है जब विवादों का न्याय राजा महाराजा द्वारा किया जाता था।दो भाई राज दरबार में अपने पारिवारिक विवाद के न्याय के लिये आते। राजा देखता था कि वे दोनो भाई एक ही उंट पर सवार हो कर आते , साथ बैठ कर खाना खाते और वापस साथ ही चले जाते।तब एक दिन राजा ने उनको कहां आगामी पेशी पर आप अपनी पत्नियों के साथ पेशी पर आना, तब आपका न्याय कर दिया जायेगा। राजा का ज्योंहि ये आदेश सुना दोनो भाईयों ने अपना समझोता पत्र राजा को प्रस्तु त कर विवाद का निपटारा कर दिया। तात्पर्य यह है कि वैचारिक सामंजस्य का स्थापित करना हमारे स्वयं के पास है ,आवश्यकता हे तो मात्र हमारी मन मस्तिष्क में उठने वाली उन तरंगो को सही मार्ग प्रदान करने की।

इसके लिये आवश्यक है कि हम एक दूसरे को स्वीकार करना सीखे। ऐसा ही तो कुछ हूआ था द्धापर में। पांचो पांडवों ने अपने सबसे बडे भाई युधिष्ठर को मानो परिवार की एक घड़ी के रूप में स्वीकार कर लिया था कि, जो युधिष्ठर आदेश करेगें वही सब को मान्य होगा। जब कि अन्य सभी भी तो अपने अपने कौशल में निपुण थे।सच में देखा जाये तो उनकी विजय में यह भी एक प्रबल कारण रहा। जिस परिवार में बडों का आदर किया जाये उस परिवार में वैचारिक विषमता होने के कोई अवसर ही प्राप्त नही होते।

आज के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये तो हमने ही आधुनिकता को अपनाने के स्वार्थ में, केवल स्व को महत्व देते हूए पारिवारिक वैचारिक सामंजस्य स्थापित करने की ओर ध्यान नही दिया, जिसके परिणाम स्वरूप हम परिवारों के विघटन को देख रहे है। परिवार का प्रत्येक सदस्य किसी न किसी कारण से मानसिक तनाव को झेल रहा है।

Notes on AYURVEDA

PART 8

- By Vinod Haritwal

Vata Subtypes – Contd.

So Prana and Udana take care of respiration function amongst others things. Now let us see others.

Samana

This one empowers the digestive function. Samana (sama-ana) means the "equalizing air". "Sama" means balancing. Samana Vayu is located in Gastrointestinal tract. It is present in the area of the abdomen, where digestion takes place. It is centred in the small intestine. It is the nervous force behind the digestive system. Its main function is to ignite the digestive fire and activate the process of digestion by creating peristalsis in intestinal movements. It also helps in the separation and absorption of digested food and carries excretory wastes to the large intestine.

When impaired, it causes a lack of appetite or nervous indigestion . It is the predominant Vayu in the internal organs including the liver, spleen, pancreas, stomach, and upper portion of the large intestine. It functions in all organs to aid in absorption and in this regard also works in the lungs to help with the absorption of air.

Samana mainly has an equalizing or balancing action and a contracting movement. It balances the higher and lower portions of the body and their respective energies. It balances the inner and the outer and the upper and lower parts of the body in the process of digestion. As it aids in assimilation and increase of energy, it has some ascending action.

Vyana

This one empowers the circulation function. Vyana (vi-ana) means the "diffusive or pervasive air". "Vi" is a prefix meaning "apart" or "to separate". Vyana Vayu is located in the entire body and specifically the Heart. Vyana has mainly an outward and expanding movement. Vyan vayu is centred in the heart and distributed throughout the entire body. It governs the circulatory system maintaining the rhythm of the

heartbeats, dilatation and constriction of vessels, the movement of the joints and muscles (musculoskeletal system), and the discharge of impulses and secretions within these systems. It performs the function of nerve impulse conduction and is responsible for the perception of touch by means of skin. It is the initiator of all actions and movements everywhere in the body including mental activities.

When it is impaired, we suffer from lack of coordination and difficulty in movement, particularly walking. When it is strong, we have good powers of movement and physical articulation. Vyana allows us to exercise and do physical work. However, it can diffuse or disperse our energy.

Apana

And this one takes care of the excretion function. Apana (apa-ana) means the "downward moving air" or the air that moves away (apa). Apana Vayu is located in the Pelvis, Urinary Tract and the Reproductive system. Apana acts in a downward direction. It is responsible for the elimination of waste products like urine and stool, for the passage of menstruation blood every month and for sexual functions. Apan vayu is the primary vayu present at the main seat of Vata, in the Pakvashaya (colon, large intestine). It governs the absorption of water, which occurs in the large intestine and gives us the power to take in full nourishment from our food, the final stage of digestion, which also occurs in the large intestine. It activates and mobilizes sperm, enables performance of sexual activities, and is central to ovulation, menstruation and the process of childbirth. It aids in the nourishment of the foetus, and supports the immune system (our ability to eliminate or ward off toxins).

Apana supports and controls all the other forms of Vata because it rules the large intestine, Vata's main site of accumulation. Derangements of Apana are the basis of most Vata disorders. As a downward moving force, when aggravated, it causes an increase of waste materials and toxins. Its impairment manifests as difficulty or abnormality in these discharges, for example, both constipation and diarrhoea.

Apana has mainly a downward movement. As Udana, the ascending air, it carries our life force upward and brings about the evolution or liberation of consciousness. Apana, the descending air, carries it down and brings about the devolution or limitation of consciousness.

In excess, it causes decay and death. It becomes like a drain of energy that allows our life-
force to flow away and sink down into the earth. Apana is the descending force of decay that manifests whenever there is loss of strength or an accumulation of toxins. Apana is the power of disease inherent in the body itself, our naturally tendency to decay as part of our connection to the earth. The treatment of Apana is the first consideration in the treatment of Vata. This allows Prana and Udana and the other Vayus (Vatas) to return to their normal functioning by reducing the restraining action of Apana. As Vata disorders are the basis of most diseases and as they usually accompany those of the other two Doshas, we must always consider normalizing Apana in the treatment of any disease.

परीक्षा का महत्व

-उमा शर्मा अध्यापिका, भीलवाड़ा

हर व्यक्ति के जीवन में परीक्षा देने का अवसर जरूर आता है और उस परीक्षा में व्यक्ति कितना सफल और असफल होता है ,यह उसकी काबिलियत और मेहनत पर निर्भर करता है |आज हम सभी को इस दुनिया में सफल होने के लिए हर जगह परीक्षा देनी पड़ती है । जीवन के लगभग हर क्षेत्र में हम परीक्षाओं का सामना करते हैं । अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है । परीक्षा हमें हमारी कमी और हमारी ताकत के बारे में बताती है । यह एक ऐसे मित्र की तरह है,जो हमें सच्चाई का आईना दिखाता है,यदि परीक्षाओं का अस्तित्व ना होता तो शायद जिंदगी में आगे बढ़ना बहुत कष्टदायक होता । हम शिक्षित करके दुनिया को बदल सकते हैं । जैसे बिना जड़ के वृक्ष कुछ भी नहीं है वैसे ही बिना परीक्षा के शिक्षा। हर बच्चे की सीखने की शैली और गति अलग होती है । प्रत्येक बच्चा अद्वितीय है ना केवल सीखने में सक्षम है बल्कि सफल होने में भी सक्षम है। छात्रों की समझने की क्षमता का अंदाजा उनके वैचारिक ज्ञान की मदद से लगाया जा सकता है । इस कोविड-19 महामारी ने हमें हर परिस्थिति में सीखने और सिखाने का मौका दिया है भले ही परीक्षाएँ रद्द की गई हो हमें यह जागरूकता पैदा करने की जरूरत है कि प्रत्येक परीक्षा महत्वपूर्ण है और यह एक सतत प्रक्रिया है जिससे एक बच्चे को पूरे जीवन गुजरना पड़ता है।

अतः पूर्ण परिश्रम से सफलता प्राप्त करने की और ध्यान दें।

शुभकामनाओं के साथ....

Secure yourself & your family against
DENGUE, CHIKUNGUNYA and
COVID's NEW VARIANT !!

BE RESPONSIBLE
AND BUY
HEALTH INSURANCE

Call Me For More Details
Adity Rahul Dadheech
8108973815
aditydadheech@outlook.com

(भाग-2)

मेरी थार यात्रा

-अंकिता कुदाल, उदयपुर

नमस्कार,

पिछली बुलेटिन में मैंने आपसे परिवार के साथ घूमने के मेरे अनुभव, चारभुजा जी मंदिर (राजसमंद), रणकपुर जैन मंदिर, बाड़मेर और नाकोड़ा भैरव मंदिर के अनुभव साझा किए थे। नाकोड़ा भैरव जी के दर्शन के बाद हम जैसलमेर के लिए रवाना हुए। रास्ते में हमने कई सारी पवन चक्कियां (विंडमिल्स) देखी। देश की विभिन्न कंपनियों ने यहां 2000 से भी अधिक पवन ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए हैं। इनसे करीब 2200 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता है। जैसलमेर भारत की पश्चिमी सीमा का सजग प्रहरी है। इसे स्वर्ण नगरी, विंड सिटी, पंखों की नगरी आदि नामों से जाना जाता है। यहां हर 20- 30 किलोमीटर में दुर्ग बने हुए हैं, इसलिए जैसलमेर को हवेलियों व झरोखों की नगरी भी कहते हैं ।स्वर्ण नगरी जैसा शहर भारत में शायद ही कोई दूसरा होगा, यहां चारों तरफ रेत ही रेत दिखाई देती है।

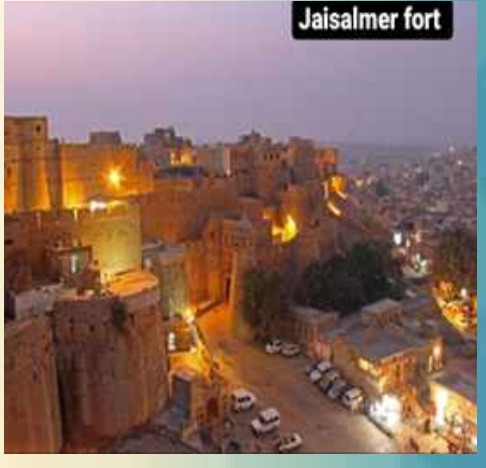

जैसलमेर में सबसे पहले हमारा किले को देखना तय हुआ। इसे 1156 में जैसल भाटी ने बनवाया था। जब हम किले में गए तब तकरीबन 6-7 साल का बच्चा पर्यटकों के स्वागत के लिए हारमोनियम बजा रहा था। इतनी सर्दी में बिना स्वेटर पहने, सिर पर साफा लगाए, चेहरे पर मुस्कान लिए उसने मेरे सामने कई प्रश्न खड़े कर दिए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम कानून के अंतर्गत 6 -14 साल की उम्र के हरेक बच्चे को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार है पर एक 6-7 साल का बच्चा इसे लागू करने की मांग नहीं कर सकता। वयस्क समाज को ही बच्चों की ओर से कार्रवाई करनी पड़ेगी।

जब हम आगे की ओर बढ़े तो मैंने देखा कि किले की सड़कें भी पत्थरों की बनी हुई है। पूरा किला पीले पत्थरों से बना हुआ है जो देखने में बेहद खूबसूरत लगता है। सूर्य की किरणें जब किले पर पड़ती है तो इसकी सुंदरता ओर भी बढ़ जाती है, इसलिए इस किले को सोनारगढ़ या स्वर्ण किला भी कहा जाता है ।जैसलमेर का किला यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है। यह किला दुनिया का सबसे बड़ा रेगिस्तान में रहने वाला किला है। यह एकमात्र ऐसा किला है जिसमें चूने का उपयोग नहीं किया गया है। इनके पत्थरों पर कलात्मक खुदाई वाले देवी-देवताओं की प्रतिमाएं बनी हुई है। दुर्ग के चारों ओर 99 बुर्ज है जो किले को मजबूती प्रदान करते हैं। किला देखने के बाद हम पटवों की हवेली देखने के लिए रवाना हुए।

पटवों की हवेली - यह 5 हवेलियों से मिलकर बनी है और यह जैसलमेर शहर की सबसे बड़ी हवेली है। 1805 में गुमान चंद पटवा ने पहली हवेली का निर्माण करवाया जो प्रसिद्ध आभूषण और ब्रोकेस के व्यापारी थे। हवेली के परिसर में संग्रहालय हैं।इसमें बीते युग की कलाकृतियों, चित्रों और शिल्प का शानदार प्रदर्शन देखने को मिलता है।इसके दरवाजे बारीक डिजाइनों से भरे हुए हैं जो वास्तुकला के विशेषज्ञों को बेहद पसंद आते हैं । पटवों की हवेली देखने के बाद हम सब उस जगह गए जिस जगह का हम सभी भाई बहनों को बेसब्री से इंतजार था- डेजर्ट कैंप। जब हम पहुंचे तब लोक वाद्य बजाकर और तिलक लगाकर हमारा स्वागत किया गया। राजस्थानी लोक नृत्य, पारंपरिक संगीत और भव्य राजस्थानी थाली ने हमारी अब तक की सारी थकान को दूर कर दिया। उस रात हम लोगों ने बहुत डांस किया। अगली सुबह जब रेगिस्तान के बीच सूर्योदय हुआ तो उसका नजारा कुछ ओर ही था। हम सभी ने तैयार होकर नाश्ता किया और हम लोंगे वाला युद्ध स्थल की ओर निकले।

लोंगे वाला युद्ध स्थल - 1971 का एक ऐसा युद्ध जो भारतीय सेना की वीरता का जीता जागता प्रतीक है। जब हम लोंगेवाला युद्ध स्थल पर पहुंचे तब वहां हमें 1971 के भारत पाकिस्तान के युद्ध के बारे में बताया कि किस तरह से हमारे 120 भारतीय सैनिक 2000 पाकिस्तानी सेना और उनके 45 टैंको पर भारी पड़े। हमारी भारतीय सेना ने बड़ी वीरता और साहस के साथ पाकिस्तानी सेना का सामना किया। यह जंग हथियारों से ज्यादा हिम्मत और हौंसले की थी। आज आधे दर्जन से ज्यादा देशों की मिलिट्री एकेडमी में लोंगे वाला युद्ध के बारे में पढ़ाया जाता है। मैं आशा करती हूं कि आपको यह लेख पसंद आया होगा मेरे सफर में जुड़े रहने के लिए और आगे की यात्रा के बारे में जान ने के लिए पढ़ें अगली बुलेटिन.....

S.GOPAAL SHARMA

+91 97866 84456
gopaal@luckshmiyarn.com

LUCKSHMI

YARN IMPEX PVT LTD

COTTON YARN FABRICS

LAXMI

YARN IMPEX

COTTON YARN FABRICS

Flat A2, SLS Luxury Apartment, 188, Sambandam Road (E),
R.S. Puram, Coimbatore - 641 002, Tamil Nadu, India
Flat A3, SLS Luxury Apartment, 188, Sambandam Road (E),
R.S. Puram, Coimbatore - 641 002, Tamil Nadu, India

T: +91 422 2544456 / 4370371 / 4358371

"समझौता"

- संतोष आसोपा
अमरावती (महाराष्ट्र)

जिंदगी मे कई बार समझौता करना पडता है ,
ना चाहते हुए भी खुद को छोटा करना पडता है.....

अपनी चादर से जो बाहर पैर पसारेगा
जिंदगी में वो जीती हुई बाजी भी एक दिन हारेगा
विश्वास ना हो तो पलट कर देख लो इतिहास के पन्नों को
मखमल पर सोने वालों को पत्थर का बिछौना करना पडता है
जिंदगी में कई बार समझौता करना पडता है .....

सोचो,समझो और विश्वास करो
आस्तीन में साँप आज भी पलते हैं
जिन पर हो अपने से ज्यादा भरोसा
वो ही अक्सर हमको छलते हैं .....

रात अंधेरे की है तो सुबह उजाले की भी आयेगी
बस अपनी मेहनत और भगवान पर भरोसा करना पड़ता है।

जिंदगी में कई बार समझौता करना पडता है ।
ना चाहते हुए भी खुद को छोटा करना पड़ता है.....

9867066252
mkp0496@gmail.com

Best wishes message from
below put in our all bulletin issues:

MANJU KAMAL PODDAR

AMFI CERTIFIED
MUTUAL FUND DISTRIBUTOR

504 D, SUMIT SAMARTH ARCADE,
B WING, AAREY ROAD, GOREGAON
WEST,MUMBAI – 400104.

गांधारी

राजश्री रतावा
भीलवाड़ा

गांधारी मुनि कवण की भार्या रूप में श्राप तुमने पाया है,
दुर्वासा को अलूना भोजन क्यों तुमने खिलाया है,
तुम अतिथि देवो भव का पालन नहीं कर पाई।
इसीलिए मृगनयनी ने नैनो पर अंधेरा सजाया है।।

मां मे होती है निर्मल गंगा सी गरिमा,
जिसकी छाव मे हर गलती पर लगती एक सीमा,
पर सही गलत का अंतर तू पुत्रो को नहीं समझा पाई।
कलंकित हो गई तुझ से एक मां के गौरव की महिमा।।

सीने के अमृत रस का ऋण ऐसा चुकाया हैं,
अहम मे अपने कर्तव्यों को भुलाया हैं,
भरी सभा में रिश्तों को तार तार कर डाला।
समक्ष विद्वानो के सत्य पर फरेब को लुटाया है।।

काश गांधारी पांचाली के दोषी को दीवार में चुनती,
धृतराष्ट्र के जीवन को अपनी दृष्टि से रोशन करती,
नेत्रों पर पट्टी बांधने से कोई पतिव्रता नहीं बनता।
काश अर्धांगिनी और वात्सल्य मे तुम स्त्रीत्व को चुनती।।

गांधारी काश तू चक्षुहीन की बनती दृष्टि,
संबंधों से हीन ना होती ये पावन सृष्टि,
सौ मे से दो को भी जो दिए होते संस्कार।
अपने ही अपनों पर ना करते बाणो की वृष्टि।।

CONCEPTS IN INVESTING: PART 1

- Prasad Naik
MBA in Finance & Teaching in various colleges

The world is transforming and so are our needs and expectations. We see the prices increasing at a regular period of time, but are we increasing our wealth in the same manner. The answer will be a NO. The inflation increases every year, the bank returns for some of us who have kept the money in the bank are not in the same rate increasing as inflation. In the time to come it is highly possible that inflation will increase at a high rate as compared to the rise in the bank rates. So, what should we do in this case???

We have to move ahead in life but to stay in line with this rise in the expenses why not have our money kept invested in any asset/ investment which grows at regular intervals and gives regular income. But how many of us do really are aware of the different alternatives available for investment. The answer will be very few. In fact, our country has very less people who we can term as Financial Literate and enjoy Financial Freedom.

Financial Freedom is a common phenomenon or a kind of feeling which everyone wants in their life. But then how much of us do actually have it. It is like an ocean of knowledge and concepts which can be implemented in day to day life to make money for a better future ahead for us. The whole idea of this write-up in the coming months is to make you understand the concepts in easy language which will be helpful for you in the times to come ahead. One of the attempts in these series is making you understand few of the concepts in the share market. These are concepts based on letters

A

Alpha of a stock is a measure of the return on a stock investment as compared to a benchmark which is index as mentioned earlier. A positive alpha of 1.0 means the fund or stock has outperformed its benchmark index by 1 percent. A similar negative alpha of 1.0 would indicate an underperformance of 1 percent.

B

Beta of a stock helps the investor to decide whether to invest or not in a stock based on the risk associated with the stock. A beta is

generally associated in terms of less than 1 or greater than 1. Beta above 1 involves companies which involves more risk as compared to the below 1.
A good BETA value depends entirely on your risk appetite. If it is higher, you can choose a stock with a BETA greater than 1. If your risk appetite is low, you can go for a stock that has a BETA value of less than 1.

C

Cyclical Stock belongs in the industry which is sensitive to the business cycle of an economy. Cyclical sectors and their stocks do well when the economy is doing well and these are exactly the types of sectors that should be avoided when the economy is weak. The industries such as Hotels, Banks, Manufacturing, Automobiles and Technology belong in these categories. Some of the examples of the stock listed in the Indian Stock market are SBI Bank, Tata Motors Limited, Kajaria Ceramics Ltd, Mahindra & Mahindra Ltd, HEG Ltd etc.

D

Defensive Stock belongs in the industry that have business which are relatively stable and have little or no impact of the economic fluctuations. These remain unaffected even if the economy is not doing well. A steady and certain return helps the investor to survive during hard economic crashes. It acts like a protective shield in your portfolio. The industries such as Health Care, Fast Moving Consumer Goods (FMCG), Personal Care. Some of the examples of stock listed in the Indian Stock market are Cipla, ACC, Bajaj Auto, Hindustan Unilever, IOCL, Infosys, Colgate etc.
Now comes the main use i.e., how to use both of them together to invest in the stocks. An investor should use both in such a way in a stock where there is a high alpha and a low beta. It can be said that defensive stocks generally have a beta is less than 1 and cyclical stock have a beta greater than 1.

As an investor if one is looking for a long-term growth than a mix of cyclical stocks and defensive stocks is the key. This is because we can get the benefit of not getting affected by economic changes such as recession or there can be benefit from strong economic growth opportunities as well.

We don't need to waste our time in calculation as both these information can be easily available on the website "Tickertape" where we can put a filter for Beta and Alpha of Stock. This will help you to get a perfect combination and helps us decide the favorable stock to invest with a good time frame perspective.

Keep Watching for this Space as more informative articles will be coming soon. Please provide your valuable feedback in the comment Section below on the same.

FINANCEMATEs will bring to you a series of facts in the upcoming weeks to help you invest and get returns in the long run. The idea is to make people aware and help in their investments ahead.
The main idea is to make the learners understand the different financial topics and make them a financial literate which can help them develop of habit of saving and achieve their financial goals.
There are learnings for everyone from school children, college students, working professionals, housewives and even senior citizens. This will be done through conferences, webinars, seminars and even talks on face to face basis.

FUNDAMENTAL CONCEPTS OF LASER AND PHOTONICS AND APPLICATIONS

Sanjeev Sharma
Munich, Germany

My name is Sanjeev Sharma. I have a master's degree from Germany and am currently working in the private sector there. Today, I'd like to give you a basic overview of lasers and photonics. Most people don't have any idea what this technology is and where it can be seen in our everyday lives. I have been working in this field for the past three years, both during my studies and professionally. Therefore, I'd like to share some basic knowledge on this technology and where it can be seen in our daily lives.

The world of modern technology is filled with fascinating advances that have changed the way we live. One of the most exciting and impactful of these advancements is the use of lasers and photonics. Lasers and photonics are powerful tools used to manipulate light. By harnessing the properties of light, scientists and engineers can create new technologies, from optical communication networks to photonic integrated circuits. Lasers are devices that generate light in a very precise and focused way. They are typically used in applications such as laser surgery, laser printing, and laser cutting. Photonics, on the other hand, is the science of manipulating light. Using photonic devices, scientists can create optical fibers, which are used for transmitting data over long distances with very little power. In addition to their use in communication and information technology, lasers and photonics are being used in a variety of other industries. For example, they are being used in medical imaging, such as MRI, to allow doctors to see inside the body. They are also being used in industrial processes, such as welding and cutting, and in manufacturing, such as 3D printing. The potential uses of lasers and photonics are virtually limitless. As their applications continue to grow, they will become even more important in our lives. From improving healthcare to enabling new forms of communication and entertainment, lasers and photonics are revolutionizing the way we live.

Machine Vision, Digitalization & Automation sector: Laser technology is revolutionizing the automation and digitalization sectors, with its use in machine vision, robotics, and other industrial applications. Laser technology has been around for decades, but its use in the automation and digitalization sectors is relatively new. It offers a range of benefits, including increased accuracy, speed, and safety. The most common use of laser technology in automation and digitalization is in the field of machine vision. Machine vision is the process of using computers to analyze images and extract information from them. By using lasers, machine vision systems can detect and identify objects with greater accuracy than ever before. This is especially important in applications such as automated sorting and packaging, where accuracy

is paramount. Lasers are also being used in robotics. By using lasers, robots can precisely identify and pick up objects, as well as detect obstacles and other objects in their path. This allows robots to work more quickly and efficiently, saving time and money. Lasers have also found their way into digitalization. By using lasers, digital systems can identify and track objects with greater accuracy than before. This is especially useful for systems such as facial recognition, where accuracy is paramount. The use of laser technology in automation and digitalization is growing rapidly. It offers a range of benefits, including increased accuracy, speed, and safety. As the technology develops further, we can expect to see even more applications for lasers in the automation and digitalization sectors.

Medical Sector: The use of lasers in the medical industry has revolutionized the way we treat a variety of medical conditions. From vision correction to cancer treatments, lasers have become an essential tool for modern healthcare. But what are lasers, and how do they work? Lasers are devices that emit a beam of light that is highly focused in a single direction. This light is usually of a single wavelength and is typically very intense. The light can be used to cut, heat, or destroy tissue, depending on the type of laser and the settings used. When used for medical purposes, lasers are typically used for two main purposes: to treat medical conditions and to perform diagnostic procedures. For example, lasers can be used to treat cancer by destroying cancer cells. This can be done by heating them using a laser or using a laser to cut out the cancerous tissue. Lasers can also be used to perform precise surgical procedures, such as removing cataracts from the eyes. In addition to treating medical conditions, lasers can also be used for diagnostic purposes. For example, lasers can be used to take pictures of the inside of the body, allowing doctors to better understand their patient's condition and make more accurate diagnoses. The use of lasers in the medical industry has made it easier and faster to diagnose and treat a variety of conditions. Lasers are also more precise and cause less tissue damage than traditional methods, leading to faster healing and recovery times. This has revolutionized the way we treat medical conditions and has improved patient outcomes.

Space Communication: Laser technology has become an essential part of modern communication and space exploration. Lasers are used in a variety of ways for communication, ranging from satellite-based communications to optical fiber networks. Lasers are also used for space exploration, ranging from laser ranging and imaging to propulsion and communications. Lasers are powerful light sources that can be used to send and receive information. They are used in a variety of ways, from the transmission of data through optical fibers to the transmission of images and data across space. Laser technology is used in both communication and space exploration to send and receive information. In the communication industry, lasers are used to send and receive data over long distances. Lasers can send and receive data at very high speeds, making them ideal for long-distance communication. Lasers are also used in optical fiber networks, which are used to send and receive data at very high speeds. In space exploration, lasers are used in a variety of ways. Laser ranging is used to measure the distance between two points in space. Lasers are also used for imaging, allowing scientists to capture detailed images of planets and other objects in the universe. Laser propulsion is used to accelerate spacecraft, and laser communications are used to send data between spacecraft and ground stations. Laser technology has revolutionized the space and communication industries. Lasers have made it possible to send and receive data over long distances, as well as capture detailed images of planets and other objects in the universe. This technology has enabled scientists to explore the universe and to keep in touch with each other over great distances.

Even now, researchers from all around the world are developing new, cutting-edge ways to use technology to improve and simplify human existence. Future observations should be even greater.

DMART OF ALL
FINANCIAL SERVICES
RJ CONSULTANCY SERVICES
WORK SMARTER, NOT HARDER
INCOME TAX
GST
SHAREMARKET
MUTUAL FUND
INSURANCE
LOAN
FINANCIAL ADVICE
AND MANY MORE
ALL FINANCIAL SERVICE UNDER ONE ROOF
RAHUL KAILASH SHARMA
FINANCIAL ADVISOR
RJ Consultancy Services
Shop No.08, Shubh Apt.,Subhash Nagar, Ramdev Park Road,
Miraroad East. Thane - 401 107.07.
+91 97735 84709 / 97682 23910
www.rjcs.in
rjcs_financial_Updates

होली आई

Sneh Prabha Sharma

Elk Grove California USA

ये लौ होली दहन आई।
सब मिल समेटें चारा ॥
टोली बालकों ने बनाई पोली ।
ये लौ होली दहन आई॥
पियो सुराही भर ठंडाई ।
ये लौ होली दहन आई ॥
होली पर सवार होली ।
प्रह्लाद रहा जल चली होली ॥
ये लौ होली दहन आई ।

आदरणीय जब से आपसे मैं मिला अपने समाज में एक ऐसी प्रतिभा से मैं मिला जो एक चौमुखी विकास के धनी हैं, गरीबों के प्रति श्रेष्ठ सोच एवं समर्पण की भावना रखने वाले ,सबका साथ सबका विकास में विश्वास रखने वाले ,एक ही नाम श्री देवेश जी हैं । मैं सोचता हूं आपसे पहले क्यों नहीं इतनी नजदीकियां हुई सच में मां दधिमती और सांवलिया सेठ की कसम खाकर कहता हूं ,आप विलक्षण प्रतिभा के धनी हैं यह गुण हर किसी में नहीं मिलता । आपने जो निर्धन जन एवं समाज के प्रति तन मन धन से समर्पण की भावना देखकर मैं मैं अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं आपसे मेरा संपर्क हुआ मैं अपना सौभाग्य मानता हूं । मेरी ईश्वर से यही प्रार्थना है आप हमेशा स्वस्थ रहें प्रसन्न रहें जीवन में खूब तरक्की करें आपकी हर मनोकामना पूर्ण हो

आपका अपना
कन्हैया लाल भट्ट, निंबाहेड़ा

मार्च, 2023

राशिफल

मेष राशि – बुध शुक्र युती फलदायी रहेंगी। सरकारी कामकाज के लिए समय अनुकूल रहेगा। अमावस्या के पास धोखा हो सकता है।

वृषभ राशि – राशि का मंगल अमंगल कर सकता है। हिसाब किताब का ध्यान रखें। बिमारी से बचिए।

मिथुन राशि – शुक्र गुरु के कारण व्यापारियों को लाभ मिलेगा। मंगल के कारण घर में तनावपूर्ण वातावरण रहेगा।

कर्क राशि – घर में खुशियों का माहौल रहेगा। खरीदी बिक्री में लाभदायक, यात्रा में ध्यान रख।

सिंह राशि – रवि, मंगल, बुध इनके योग आपस में शत्रुता बढ़ाएंगे। अमावस के पास आँखों की तकलीफ हो सकती है।

कन्या राशि – नई वस्तु लेने का योग बनेगा। नौकरी में तनावपूर्ण माहौल रहेगा अमावस्या के पास शत्रु पीड़ा होगी।

तुला राशि – गर्मी से परेशान होंगे सर्दी ,बुखार, बिमारी से बच्ची खर्चा बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि – गुरु शुक्र फलदायी रहेंगे। कोई भी बड़ा उत्सव होगा। मंगल के कारण शरीर कष्ट होगा।

धनु राशि – घर में मंगलमय वातावरण होगा। एक्सीडेंट के योग बन सकते हैं। गाड़ी धीमी चलाएं।

मकर राशि – कोई राजकीय व्यक्ति से लाभ होगा। इलेक्ट्रिक वस्तुओं से सावधान रहिए। यात्रा ध्यानपूर्वक कीजिए।

कुंभ राशि – जमीन, वास्तु के काम होंगे। भाई बहन में अनबन रहेंगी। छोटे बच्चों को शरीर कष्ट होगा।

मीन राशि – नौकरी में बढ़ोतरी रहेगी। अमावस्या के पास दुर्घटना की संभावना है। गाड़ी धीमी चलाएं।